

Growing up As A learner

Adjustment and Maladjustment

समायोजन एवं असमायोजन

कुसमायोजन व्यक्ति चिन्ता, भ्रमनाशा और मानसिक संघर्ष से ग्रस्त होता है। ये तीनों ही व्यक्ति के समायोजन में बाधा पहुंचाते हैं -

चिन्ता [Anxiety]

बुलैस्की — "जिज्ञासा का रूप ही चिन्ता।"

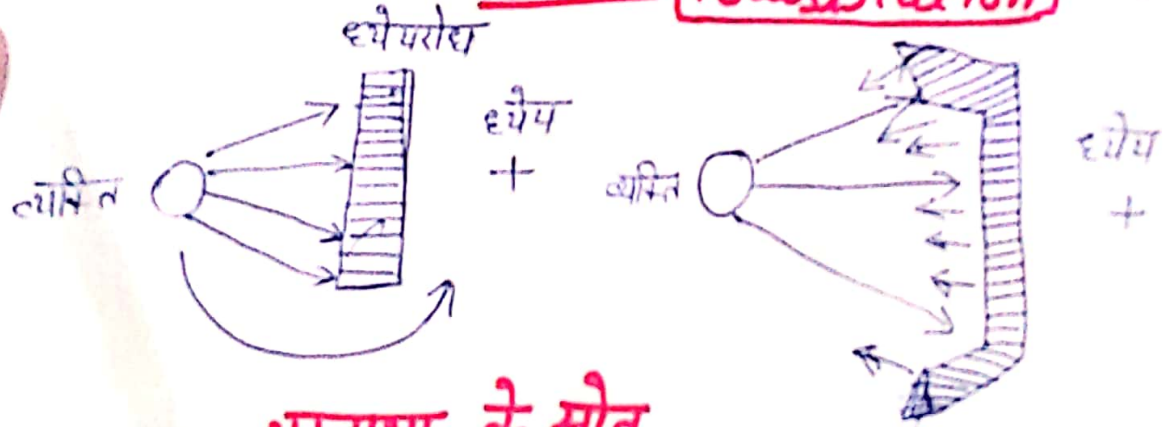
फ्रायड — "उर की जगह चिन्ता शब्द का प्रयोग।"

कॉम्ब/राफल — "उर के कारण सीमित प्रत्यक्षीकरण।"

"चिन्ता सदा ही कार्य में विघ्न डालती है।"

"बहुत सी सामाजिक परिस्थितियों में चिन्ता रीढ़ की उकिया लेती है।"

भ्रमनाशा Frustration



भ्रमनाशा के स्रोत

- ① बाह्य धक्का
  - ① भौतिक धक्का
  - ② आर्थिक धक्का
  - ③ सामाजिक धक्का
- ② आन्तरिक धक्का
  - ① व्यक्तिगत दोषव सीमाएँ।
  - ② असंगत आवश्यकताएँ।
  - ③ व्यक्ति के नैतिक आदर्श

## अग्नाशा दूर करनी के उपाय

- ① इच्छापूर्ति
- ② विद्यालय का वातावरण
- ③ असंगत आदर्शों को कम करना
- ④ निर्देशन

## मानसिक संघर्ष [mental conflict]

" जब व्यक्ति दो समान चाहे जाने वाले परस्पर विरोधी उद्देश्य के बीच में घिर जाता है, तो 'मानसिक संघर्ष' उत्पन्न होता है। "

## निर्णय करने की प्रक्रिया

" दो असंगत आवश्यकताओं अथवा हयैय के बीच निर्णय करने से पूर्व भली-भाँति जाँच करना। "

B.R.C. Deoband  
AMIA Pro = Sapna Tyagi